ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekd ,Q@,xk@,xkeV-@25 fnukd **03.02.2026**
ftyk& chdkuj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 03 फरवरी 2026 से 07 फरवरी 2026 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 14.9 से 19.9 °C एवं न्यूनतम तापमान 3.8 से 6.5 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 65 से 95% रही ।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5 दिनों के दौरान (03.02.2026 से 07.02.2026) 03.02.2026 व 07.02.2026 को आंशिक बादल छाए रहने, 04.02.2026 से 06.02.2026 तक स्वच्छ आकाश छाए रहने, न्यूनतम तापमान 08.0-12.0°C और अधिकतम तापमान 23.0-28.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तरी, उत्तरी उत्तरी पूर्वी और उत्तरी पूर्वी दिशा से कम से मध्यम गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	03.02.2026	04.02.2026	05.02.2026	06.02.2026	07.02.2026
वर्षा (एम.एम.)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आसमान में बादलो की स्थिति	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	आंशिक बादल
अधिकतम तापमान (° C)	**23**	**25**	**26**	**27**	**28**
न्यूनतम तापमान (° C)	**10**	**9**	**8**	**12**	**10**
वायु दिशा	उत्तरी पूर्वी	उत्तरी पूर्वी	उत्तरी पूर्वी	उत्तरी उत्तरी पूर्वी	उत्तरी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**57**	**50**	**50**	**45**	**43**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**34**	**30**	**29**	**28**	**28**
औसत वायु गति (कि./घण्टा)	**3**	**3**	**2**	**1**	**1**
वर्षा (एम.एम.)	**00.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

विशेष सलाह	भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें। जीवन की सुरक्षा के लिए कम दृश्यता के दौरान धीमी गति से वाहन चलाएं। फसलों और बगीचों को शीत लहर व पाले से बचाने के लिए गंधक के अम्ल(सल्फयूरिक अम्ल) के 0.1 प्रतिशत (1 एम.एल गंधक का तेजाब प्रति लीटर पानी के हिसाब से)छिड़काव करें। फसलों में फसल अनुसार अनुशंषित मात्रा से अधिक यूरिया का प्रयोग नहीं करें। फसलों की अच्छी बढ़वार हेतु 1 प्रतिशत एन.पी.के (19:19:19)का खड़ी फसल में छिड़काव करें। भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें।

फसल	**अवस्था**	**विवरण**	**कृषि सलाह**
गेहूँ	बढ़वार	सिंचाई	देरी से बुवाई की गई गेंहू की फसल में दूसरी सिंचाई प्रथम सिंचाई के 21-28 दिन बाद करें और सिंचाई के साथ 15 किलोग्राम यूरिया प्रति बीघा छिड़काव करें।
		जिंक की कमी	गेहूँ की खड़ी फसल में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देने पर 0.33 प्रतिशत जिंक सल्फेट (33 प्रतिशत) एवं 2 प्रतिशत यूरिया (50 ग्राम जिंक सल्फेट एवं 300 ग्राम यूरिया प्रति 15 लीटर पानी बीघा) पानी में घोलकर बुवाई के 35-40 दिन बाद छिड़काव करें।
जौ	बढ़वार	जिंक की कमी	जौ की खड़ी फसल में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देने पर 0.33 प्रतिशत जिंक सल्फेट (33 प्रतिशत) एवं 2 प्रतिशत यूरिया (50 ग्राम जिंक सल्फेट एवं 300 ग्राम यूरिया प्रति 15 लीटर पानी बीघा) पानी में घोलकर बुवाई के 35-40 दिन बाद छिड़काव करें।
जीरा	बढ़वार	रोग प्रबंधन	जीरा की फसल में आकाश में बदल छाये रहने से झुलसा रओं होने की संभावना बनी रखती है। इस रोग में पौधे की पतियों पर गहरे भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते है तथा पौधे के सिरे मुड़ जाते है। इस से बचाव के लिए फूल आने लगते ही 2-3 ग्राम मेंकोजेब प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
चारा फसलें	बढ़वार	सिंचाई एवं उर्वरक	चारे वाली फसलों में कटाई के बाद सिंचाई जल के साथ 65 किलोग्राम यूरिया प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें।
उद्यानिकी		सिंचाई	बेर के बाग में अच्छे फलौत्पादन के लिए लगातार सिंचाई करें।
		पाले से बचाव	बागवानी के लिए नये लगाये पौधों को शीत लहर व पाले से बचाने के लिए मुंजा छप्पर, बोरे, गैर ऊनी सामग्री या स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री से ढक दें ।
पशुधन		शीत एवं पोषण प्रबंधन	शीतलहर से बचाने के लिए नवजात बछड़ों और अन्य पशुओं को रात और सुबह के समय ढके और संरक्षित क्षेत्र में रखें। अच्छी गुणवत्ता युक्त और उच्च दूध उपज प्राप्त करने के लिए पशु आहार में सांद्र और खनिज मिश्रण शामिल करें।

सह-आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर - ग्रामीण कृषि मौसम सेवा